**आदेश 6 नियम 5, सि. प्र. सं. के अधीन आवेदन पत्र न्यायालय**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

अति सम्मानपूर्वक ढंग से प्रदर्शित करता है

1. यह कि अपने लिखित कथन में प्रतिवादी ने प्रतिवाद का उपवर्णन किया है लेकिन दूसरा न कोई मात्र संदिग्धार्थी नहीं है बल्कि सामान्य निबन्धों में है।
2. यह कि यह न्याय हित में समीचीन है कि प्रतिवादी प्रतिदावे की अग्रिम तथा बेहतर प्रविष्टियाँ देने के लिए आदरणीय न्यायालय द्वारा आदेशित किया जाय। (यहां विशिष्टियों का उल्लेख करें)

**प्रार्थना**

यह प्रार्थना की जाती है कि प्रतिवादी ऐसे समय के अन्दर उसके लिखित कथन में उसके द्वारा उपवर्णित प्रतिदावा की अग्रिम और बेहतर विशिष्टियां वादी को प्रदान करने का आदेश दिया जाय जैसा इस आदरणीय न्यायालय द्वारा आदेश किया जाय। यह तदनुसार प्रार्थना की जाती है।

**आवेदक**

**जरिये**

**अधिवक्ता**

**स्थान...**

**तारीख....**

**शपथपत्र**

............... न्यायालय

वाद सं..................... सन् २०२१

के मामले में.............

**अबक**  ........ वादी

बनाम

**कखग**  ......... प्रतिवादी

**शपथपत्र**

निम्नलिखित रूप में एतद्द्वारा सत्यनिष्ठा से प्रतिज्ञान एवम् कथन करता हूँ।

1. यह कि मै इस मामले में..................हूँ और अतएव, इस शपथपत्र पर शपथ लेने में सक्षम हूँ।
2. यह कि साथ दिये जा रहे आवेदन पत्र की अन्तर्वस्तु सत्य एवम् सही है।

**शपथकर्ता**

**सत्यापन**

......में इस तारीख................... को यह सत्यापित किया गया कि ऊपर शपथपत्र की अन्तर्वस्तु मेरी जानकारी में सत्य एवम सही है।

**शपथकर्ता**